KRS MULTIPRO PVT LTD

AGRO ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

100% Organic Agro Products Range

Effect without any residue

Introduction

भारत को 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों के साथ एक बड़ी कृषि योग्य भूमि होने का गौरव प्राप्त है, जैसा कि आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) द्वारा परिभाषित किया गया है, यहाँ लगभग सभी प्रकार की मौसम और मिट्टी के विभिन्न प्रकार मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार की फसलें उगाने के लिए उपयुक्त हैं। भारत दूध, मसाले, दालें, चाय, काजू और जूट का शीर्ष उत्पादक है, और चावल, गेहूं, तिलहन, फल और सब्जियां, गन्ना और कपास का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इन सभी तथ्यों के बावजूद भारत में कई फसलों की औसत उत्पादकता काफी कम है। अगले दशक में हमारे देश की आबादी दुनिया में सबसे बड़ी होने की उम्मीद है और उनके लिए भोजन उपलब्ध कराना एक बहुत ही प्रमुख मुद्दा होगा। किसान अभी भी सम्मानजनक कमाई नहीं कर पा रहे हैं। खेती में उपज बढ़ाने के लिए सिंथेटिक उर्वरकों का उपयोग मिट्टी को बुरी तरह प्रभावित करता है। रासायनिक उर्वरकों का उत्पादन अकार्बनिक पदार्थों से कृत्रिम रूप से किया जाता है। चूंकि वे कृत्रिम रूप से अकार्बनिक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं, उनमें कुछ हानिकारक एसिड होते हैं, जो मिट्टी में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों के विकास को रोक देते हैं जो प्राकृतिक रूप से पौधों की वृद्धि के लिए सहायक होते हैं।

जैविक खाद प्राकृतिक रूप से उपलब्ध खनिज स्रोत हैं जिनमें पर्याप्त मात्रा में पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। वे सिंथेटिक उर्वरकों से जुड़ी समस्याओं को कम करने में सक्षम हैं। वे मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए सिंथेटिक उर्वरकों के बार-बार उपयोग की आवश्यकता को कम करते हैं। वे धीरे-धीरे पोषक तत्वों को मिट्टी के घोल में छोड़ते हैं और फसल के पौधों के स्वस्थ विकास के लिए पोषक तत्वों का संतुलन बनाए रखते हैं। वे मिट्टी के रोगाणुओं के एक प्रभावी ऊर्जा स्रोत के रूप में भी कार्य करते हैं जो बदले में मिट्टी की संरचना और फसल की वृद्धि में सुधार करते हैं।

India is blessed with large arable land with 15 agro-climatic zones as defined by ICAR (Indian Council of Agricultural Research) having almost all types of weather conditions, soil types and capable of growing a variety of crops. India is the top producer of milk, spices, pulses, tea, cashew and jute, and the second-largest producer of rice, wheat, oilseeds, fruits and vegetables, sugarcane and cotton. In spite of all these facts, the average productivity of many crops in India is quite low. The country's population in the next decade is expected to become the largest in the world and providing food for them will be a very prime issue. Farmers are still not able to earn respectable earnings. The use of synthetic fertilizers to enhance the produce in farming affects the soil badly. Chemical fertilizers are produced synthetically from inorganic materials. Since they are prepared from inorganic materials artificially, they have some harmful acids, which stunt the growth of microorganisms found in the soil helpful for plant growth naturally.

Organic fertilizers are naturally available mineral sources that contain sufficient amount of plant essential nutrients. They are capable of mitigating problems associated with synthetic fertilizers. They reduce the necessity of repeated application of synthetic fertilizers to maintain soil fertility. They gradually release nutrients into the soil solution and maintain nutrient balance for healthy growth of crop plants. They also act as an effective energy source of soil microbes which in turn improve soil structure and crop growth.

एग्रो किंग

* एग्रो किंग

1) अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट मान्यता प्राप्त, आईसीएआर (भारतीय कृषि और अनुसंधान परिषद) 16 से अधिक तत्वों के साथ एकमात्र विश्व स्तर का अत्याधुनिक जैविक उत्पाद है।
2) सभी प्रकार की फसलों और विभिन्न मिट्टी के लिये तथा फसलो के संतुलित विकास प्रदान करनें वाला उत्पाद हैं।

* एग्रो किंग के प्रयोग के तरीके:

1) स्प्रे: 2 मिलीलीटर। 1 लीटर पानी (प्राथमिक अवस्था मे)
2) फूल और फलने की अवस्था में : 3 मिली / 1 लीटर) (हर 20 दिन में स्प्रे करें)
3) ड्रिप सिंचाई: 1) सभी प्रकार की सब्जियां, सोयाबीन, प्याज, कपास, फल आदि। 500 मिली प्रति एकड़ (हर 25 दिन)
4) गन्ना, केला, पपीता, अंगूर, अनार आदि 1 लीटर प्रति एकड़ (हर 20 दिन)
5) बीज उपचार : बिजोपचार के लिये एग्रो किंग 5 मिली प्रती 1 लिटर पानी के स्प्रे करे

एग्रो किंग के नियमित उपयोग के लाभ:

1) फसल के प्रत्येक भाग की नियमित और संतुलित वृद्धि।
2) एग्रो किंग द्वारा बीज प्रसंस्करण के कारण बीज अंकुरण दर बढ़ती है और फसलों को फंगल रोगों से भी बचाता है।
3) एग्रो किंग में पोषक तत्व सीधे पत्ती नसों के माध्यम से जाते हैं एवं कोशिकाओं तक पहुंचता है, फसल की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक जैव रासायनिक प्रतिक्रियाओं में भाग लेता है
4) प्रोटीन उत्पादन, न्यूक्लिक एसिड उत्पादन, प्रकाश संश्लेषण, कोशिका विकास और पुनर्जनन हार्मोन उत्पादन इन सभी क्रियाओ मे कारगर डी) खाद्य प्रसंस्करण आदि में सहायता करता है, जो फसल के अच्छे विकास और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।
5) इसमें विभिन्न पोषक तत्वों की नियमित और प्रत्यक्ष आपूर्ति के कारण, पत्तियां गहरी हरी, अधिक ताजा हो जाती हैं वे कुल मिलाकर एक उच्च क्षमता पर भोजन का उत्पादन करते हैं ताकि विकास की सभी अवस्था में पोषक तत्वों की कमी न हो और समग्र रूप से वृद्धि दिखाई दे जिस कारण फसलें तेजी से और तेजी से बढ़ती हैं।
6) फूलों के चरण में, एग्रो किंग के उपयोग से फूल लगने की दर बढ जाती है और वे बड़े और स्वस्थ फूलों में रूपांतरित होते है।
7) फूल रोग मुक्त रहते हैं और फूलों की अच्छी क्षमता ओर विकास के साथ बड़े आकार के फलों में बदल जाते हैं इसलिए फलों के छोटे आकार और फलों के गलने की समस्या कम हो जाती है।
8) एग्रो किंग के नियमित उपयोग के वजह पौधो के आसपास स्वतंत्र सूक्ष्मजीव जैसे की एजेटोबैक्टर, राइजोबियम, केएमबी, पीएसबी आदि की परिस्थितियों को तैयार होती है यह नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा इतर जटील मूलद्रव्य को पौधो के खाने लायक कर देते है।
9) जैसे-जैसे मिट्टी की विविध आवश्यक मुल्यो की आपूर्ति में सुधार होता है, वैसे-वैसे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।
10) अंगूर, अनार तथा विविध फूल एव फल, निर्यात के लिये उगाये गये कृषि उत्पादों के लिए, (शिमला मिर्च और अन्य सब्जियाँ आदि गुणवत्ता (रंग, वजन, चमक) सभी में वृद्धि प्रदान करता है।
11) एग्रो किंग 100% जैविक हैं, यह जहरीले रासायनिक तत्व के अवशेषमुक्त हैं

सॉईल गोल्ड

सॉईल गोल्ड

1) मृदा का स्वास्थ्य कृषि का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। फसलों के विकास को आधार देने के अलावा, विभिन्न पोषक तत्व और जल आपूर्ति के साथ पौधो के समग्र विकास मे मृदा महत्वपूर्ण योगदान देती है।

2) लेकिन 40 से 50 सालो मे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण आज खेती लवण युक्त और बंजर हो चली है।

चलो खेती को पुनर्जीवित करें ...! इसका मतलब मिट्टी को पुनर्जीवित करना है!

1) मिट्टी के क्षतिग् को ठीक करें।
2) अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों के तेजी से अपघटन द्वारा लवणता मे कमी। 3) मिट्टी को झरझरा बनाना।
4) मिट्टी में माइक्रोबियल पारिस्थितिक तंत्र के गठन के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करना।

इन सब के लिये हम आपकी सेवा मे एक बेहतरीन उत्पाद पेश कर रहे हैं।

सॉईल गोल्ड का उपयोग करने के तरीके:

ए) सभी प्रकार की सब्जियों, फलों, केलियों, सोयाबीन, कपास और अन्य फसलों के लिए:

1) बोने से पहले खेत की जुताई करते समय: – 500 ग्राम / एकड़
2) फूलों की अवस्था मे : 500 ग्राम / एकड़

* केला, गन्ना, पपीता, अंगूर, अनार, आम आदि फसलो के लिये

1) बोने से पहले खेत की जुताई करते समय: – 1 किग्रा / एकड़
2) फूलों की अवस्था मे : 1 किग्रा / एकड़
3) फल पकने की अवस्था: 1 किग्रा / एकड़

सॉईल गोल्ड प्रयोग का माध्यम

1) (तय मात्रा) + 200 से 400 लीटर पानी टपका सिंचाई के माध्यम से 2) (तय मात्रा) + 20 किलो विघटित खाद / खेत की मिट्टी / रेत (धूल बुवाई)

सॉईल गोल्ड के नियमित उपयोग के लाभ:

इसमें प्राकृतिक मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक प्राकृतिक घटको का समूह शामिल है, इसके लाभ हैं:

1) नियमित उपयोग के साथ, मिट्टी में विष तत्वो को कम किया जा सकता है। (कार्बनिक कार्ब: नाइट्रोजन) अनुपात में सुधार करता है जिस परिणाम स्वरूप ऐसे सूक्ष्मजीवों के पारिस्थितिकी तंत्र बनना. आसान होता है।
2) इन सूक्ष्मजीवों के माध्यम से मिट्टी में अनावश्यक और अतिरिक्त तत्व होते हैं उनका जलद अपघटन होता है जो मिट्टी की सतह को बेहतर बनाता है और इसे महिन बनाता है।
3) सामू नियंत्रण, मिट्टी के महिन ओर सच्छिद्र होने के कारण विषैले जीव नष्ट हो जाते हैं और जीवाणुओं की संख्या बढ़ जाती है।
4) मिट्टी को अधिक उपजाऊ बनाता है और अधिक पैदावार देता है।
5) अन्य जैव कारक मूल्यों की संख्या में वृद्धि करते हैं यह फूल के बढने और फलों के सेट मे भी सुधार दिखाता है।
6) यह फसल की वृद्धि में तेजी लाकर पैदावार बढ़ाने में मदद करता है।

AGRO ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

एसपीए-82

एसपीए 82

1) विभिन्न कृषि दवाओ के प्रभावी उपयोग के लिए यह आवश्यक है कि पोषक तत्वों का उचित असर सुनिश्चित किया जाए
2) पत्ती के रोमछिद्रो के माध्यम से पोषक तत्वों को प्रभावी ढंग से परिवहन करके वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए, सन सुपर स्प्रेडर का प्रयोग आवश्यक हैं
3) एसपीए82 सिलिकॉन आधारित स्प्रेडर और स्टिकर का उपयोग हर दवाई के साथ करने से उनके परिणाम को बढा देता है।

एसपीए82 उपयोग करने के तरीके :
सभी छिड़काव / भीग / ड्रिप उत्पादों के साथ 1 मिली / प्रति लीटर पानी लागू करें।

एसपीए82 के नियमित उपयोग के लाभ –

1) पत्तियों के अंदर सभी प्रकार के एग्री इनपुट्स (ग्रोथ प्रमोटर, पेस्टीसाइड्स आदि) के अवशोषण में मदद करता है
2) छिड़काव करने पर, यह पत्तियों की पूरी सतह पर फैल जाता है और पत्तियों के अंदर आवश्यक पोषक तत्वों को पहुंचाता है।
3) इसमें मौजूद सिलिकॉन एक तरह से पोषक तत्व का काम भी करता है।
4) कीटनाशकों और वृद्धि हार्मोन का बढ़ता अवशोषण कम मात्रा में भी अपेक्षित परिणाम देता है।
5) ड्रिप के माध्यम से उपयोग किया जाने पर यह जड़ों के चारों ओर मिट्टी सछिद्र बनाए रखता है, रूट ज़ोन को हवादार करके कवक के प्रसार से बचा जाता है, और रूट ज़ोन के माध्यम से पोषक तत्वों के परिवहन को भी गति देता है।
6) फलों को चमकदार बनाता है और पत्तियों का रंग गहरा हरा होता है।

AGRO ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

फुल स्टॉप

फुल स्टॉप :

1) फंगल रोग लगभग सभी फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं और समग्र उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।
2) हम आपके लिए एक बहुत प्रभावी और 100% जैविक कवकनाशी लेकर आए हैं।

फुल स्टॉप उपयोग करने के तरीके:

छिड़काव : 2 से 3 मिली प्रति लीटर (स्प्रे) ड्रिप सिंचाई : 250 मिली / एकड़

फुल स्टॉप के नियमित उपयोग के लाभ

1) फसलों को सभी प्रकार के फफुंद जनित रोगों से बचाता है
2) फफूंद से संक्रमित फसलों में इसका उपयोग फंगस को मिटा सकता है और फसल क्षति से बच जाता है।
3) पावडरी और डाउनी फफूंदी आदि रोगों से विशेष सुरक्षा।

AGRO ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

KRS GROUP

नीम शिल्ड

नीम शिल्ड :

✲ अब हम नीम शिल्ड के कार्य करने के तरीके को विस्तार से समझते है। इस के छिडकाव के बाद पत्तो तथा पौधो/फसल के विभिन्न अंगो मे कडवाहट आती है, जब भी कोई कीट पत्ते या फलो को खाने की कोशिश करता है तो वो खा नही पाता, तथा दूर भागता है। नीम शिल्ड जब कीटों के शरीर के अंदर प्रवेश करता है तब वो सिधा उनके चायपचय क्रिया पर वार करता है, जिस परिणाम स्वरुप कीटक कुछ खा नही पाता और भुखा रहकर नष्ट हो जाता है। नीम शिल्ड किटको की प्रजनन क्षमता को हानी पहुचाता है जिससे मादा कीटक अंडे नही दे पाती और देखते ही किटको की फसल नष्ट हो जाती है। नीम शिल्ड अलग अलग 300 प्रकार के रोगों मे बेहद कारगर है जिनमे से मुख्यतः Pink bollworm, Mealy bug, Beet armyworm, Aphids, White Fly, Cabbage Worm, Carterpillar, Nematodes, Moth Larvae, Mites, Japanese beetle, Mushroom Flies, Stem Borer शामिल है।

✲ चलिए जाने नीम शिल्ड और रासायनिक कीटनाशी में क्या अंतर है।

रासायनिक कीटनाशी जहरिलि और इन्सानो तथा जानवरो के लिये जानलेवा होती है, जब की नीम शिल्ड सिर्फ कीट/रोगो के लिये जानलेवा होती है। रासायनिक दवाओं का असर तुरंद दिखता है, लेकिन कुछ दिनों के भितर ही कीटक/रोग फिरसे खेतो मे फसले नष्ट करने लगती है। इसके बिलकुल विपरीत नीम शिल्ड का असर धिरे-धीरे बढता है लेकिन बिमारी/कीट को वो जड से खत्म कर देता है। रासायनिक कीटनाशी फसलो को नष्ट करने वाले कीटको के साथ साथ मित्र कीटक जैसे के मधुमख्खीयो और तितलिया, केचुए इन सभी को नष्ट कर देती है, जिससे हमारी खेतो के साथ साथ सृष्टी की महत्वपुर्ण जीव शृंखला भी नष्ट हो सकती है। इस सबसे विपरीत नीम शिल्ड किसी भी मित्र कीटको को हानी नही पहुचाता। अगर हम किसान भाई की लागत की बात करे तो रासायनिक कीटनाशी नीम शिल्ड से कई गुना महंगी होती है। सबसे बड़ी बात यह है की रासायनिक कीट नाशी के लगातार प्रयोग से कैंसर तथा फेफडो की बिमारी फैल रही है, उसे रोककर अच्छा स्वस्थ उत्पाद चाहिए तो नीम शिल्ड प्रयोग अनिवार्य है।

रासायनिक खेती के दुष्परिणामों से बचना हो और कम खर्च मे कीटोंकी समस्या से छुटकारा पाना हो तो नीम शिल्ड का प्रयोग हर किसान भाईयों को हमेशा करना चाहिए यह हमारा नम्र निवेदन है।

नीम शिल्ड उपयोग करने के तरीके:

छिड़काव : 2 से 3 मिली प्रति लीटर (स्प्रे)

ड्रिप सिंचाई : 500 मिली / एकड़

बुम फ्लॉवर

*** बुम फ्लॉवर+ :**

किसी भी पौधे को अगर 20 फूल लगते हो तो कई कारणोसे सिर्फ 8 से 9 फूल ही फलो में रुपांतरीत हो पाते है, उनमे से सिर्फ 5 से 6 फल ही स्वस्थ और बेचने लायक बनते है, यहा फल का मतलब कपास से लेकर गेहु, धान, तक सारी फसलों की आखरी उत्पाद के बारे मे है ।

बुम फ्लॉवर का प्रयोग कैसे ?

छिड़काव : 5 ग्रॅम प्रति 15 लीटर पंप (स्प्रे)

ड्रिप सिंचाई : 100 ग्रॅम /200 लिटर पाणी के साथ

बुम फ्लॉवर के प्रयोग से होने वाले फायदे :

बुम फ्लॉवर के लगातार प्रयोग से फूलोंका फलो मे रुपांतरण ज्यादा पैमाने मे तो होता ही है। साथ ही मे फल/अंतिम उत्पाद ज्यादा वजनदार और अच्छी गुणवत्ता वाला निकलता है जिस परिणाम स्वरुप किसान को अच्छी आमदनी होती है। इसका छिडकाव करते ही मुरझाऐ पौधे/फसल मे जान आ जाती है, वे तरो ताजा हो तीव्र गती से चारो और से बढते है, इसमे जडों का और पत्तो तथा शाखा सबका संतुलित विकास होते जाता है। इसके लगातार इस्तेमाल से पौधे मे रोग प्रतिकार शक्ती का विकास होता है, जिस परिणाम स्वरुप किसी भी बिमारी या कीटों का लगना मुश्किल हो जाता है। आपके पौधे/फसल को तीव्र गती से संतुलित विकास प्रदान करने तथा बिमारीयो से सुरक्षा कवच प्रदान करना हो तो बुम फ्लॉवर का प्रयोग अनिवार्य है।

AGRO ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

टारगेट

*** टारगेट :-**

१.रस चुसने वाले सभी प्रकार के कीडे को नष्ट कर देता है।

२.लगभग सभी रस चूसने वाले कीड़ों की शुरुआत को रोकने के लिए बेहद कारगर जैविक विकल्प

टारगेट इस्तेमाल करने की विधी :-

छिड़काव के लिए : १ से १.५ मिली प्रति लीटर पानी (१०० मिली / १०० लीटर पानी)

टारगेट का उपयोग करने से होने वाले लाभ :

१) सभी प्रकार के रस चूसने वाले कीट से फसल की रक्षा करता है

२) सभी प्रकार के रस चूसने वाले कीड़ों के त्वरित उन्मूलन में मदद करता है।

३) फसलों के चारों ओर सुरक्षात्मक आवरण बनाकर पौधों को प्रतिरक्षा प्रदान करता है।

४) टारगेट पूरी तरह से जैविक है और पौधों पर कोई रासायनिक अवशेष नहीं छोड़ता है और साथ ही अंतिम उत्पादन इसलिए निर्यात उन्मुख कृषि मालो पर बहुत उपयोगी है।

AGRO ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

न्यूट्रीमॅक्स

*** न्यूट्रीमॅक्स :–**

खेत में सभी फसलें समान रूप से नहीं उगती हैं, कुछ फसलें दृढ़ता से बढ़ती हैं और प्रभावित फसलों और रोगग्रस्त फसलों की वृद्धि कम होती है। इसके मुख्य कारणों में आवश्यक पोषक तत्वों की अनियमित आपूर्ति और पानी की कमी है जो पोषक तत्वों के परिवहन में बाधा उत्पन्न करते हैं। यदि आप इस समस्या को दूर करना चाहते हैं और अपनी आय में वृद्धि करना चाहते हैं, तो **न्यूट्रीमॅक्स** का उपयोग करना बहुत महत्वपूर्ण है।

न्यूट्रीमॅक्स का प्रयोग कैसे करे ?

सभी सब्जी, वेलवर्गीय फसल, कपास, सोयाबीन, मकई, गेहू, चावल, ज्वार, बाजरा, सभी कंदमूल, गन्ना, पपई, अंगुर, अनार, फलबाग आदी के लिए ।

१) ड्रिप/जमीन से ५०० मिली/१ एकड

२) स्प्रेइंग : ४० मिली/१५ लिटर पाणी पम्प

न्यूट्रीमॅक्स के लगातार इस्तेमाल से होने वाले फायदे

१) सभी फसलोंका परिपूर्ण नियमित तौर पे प्रदान करता है। सभी पौधोंका विकास एक जैसा होता है।

२) उच्चतम गुणवत्ता के पोषण मुल्योंकी सन ग्रो मॅक्स भरमार है जो समय समय पर पौधो की सही मात्रा मे मिलने से उनका विकास तीव्र गतीसे होता है।

३) सफेद जडोका विकास करने के साथ ही जडोके पास सुक्ष्म जीवाणूंओंकी संख्या में भारी वृद्धी होती है । जिसकी वजह से पौधोंको फफुंदी रोगोसे संरक्षण मिलता है। जडोंसे पोषण मुल्योंका संचार भरपूर मात्रा मे होता है।

४) उनके प्रजनन हेतु आवश्यक परागकण भरपूर मात्रा मे बनते है।

AGRO ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

सीड कोट

* **सीड कोट :-**
  अंकुरण जल्दी होता है।
  प्रतिरक्षा ताकत बढ़ती है।
  कीट जनित कवक रोग कम होते हैं।

सीड कोट का प्रयोग कैसे करे ?

१) १०० ग्रॅम सीड कॅप १० कि.गॅ.
बीज में मिलाये ।

सीड कॅप के इस्तेमाल से फसलों को होने वाले फायदे :

* न्यूनतम बीजों से भरपूर उत्पादन की गारंटी-ऐसा इसलिए है क्योंकि बीज प्रसंस्करण के साथ-साथ बोए गए बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है रोपाई की अधिकतम संख्या परिवर्तित हो जाती है।

* फसल की अधिक पैदावार होने के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता वाले फिनिश की गारंटी है जिससे उच्चतम बाजार मूल्य प्राप्त किया जा सकता है।

AGRO ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

AGRO
ACHARYA
ORGANIC FERTILIZERS & FARMING

Marketed by :

KRS MULTIPRO PVT LTD

Plot No.2, 15/1, Main Mathura Road,
Near Sec-28, Metro Station, Metro
Pillar No. 599, FBD (HR) 121003
Web: www.krsmultipro.com
Email- info@krsmultipro.com
Toll Free- 18001205787

KRS GROUP ®